RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: ₹ 02

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 21 जून, 2025
वर्ष: 02, अंक: 171, पृष्ठ: 8+4

दोनों देशों में शांति के लिए भारत बने 'सेतु'
» Pg 12

इनसाइड सपा नेता की भांजी का शव फंदे से लटका मिला... » Pg 08

पीएम नरेंद्र मोदी ने 3 लाख लोगों के साथ किया योग

विशाखपत्तनम से देश को दिया 'हील इन इंडिया' का मंत्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

विशाखापत्तनम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में योग दिवस समारोह में भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा कि योग लोगों को विश्व के साथ एकता की यात्रा पर ले जाता है। दुनिया भर में कुछ तनाव की स्थिति बनी हुई है। मेरा विश्व से अनुरोध है कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत मानें, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आंध्रप्रदेश में बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन लाख लोगों के साथ योग किया। पीएम मोदी ने कहा कि योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ को वैश्विक संकल्प बनाने की जरूरत है। आइए हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाएं। योग दिवस समारोह में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवण कल्याण ने भी भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा कि योग सीमाओं, पृष्ठभूमि, उम्र या शारीरिक क्षमता से परे सभी के लिए है। यह एक ऐसा उपहार है जो मानवता को स्वास्थ्य, सद्भाव और चेतना में जोड़ता है। मुझे खुशी है कि हम विशाखापत्तनम में एकत्रित हुए हैं, एक ऐसा शहर जो प्रकृति और प्रगति का खूबसूरती से मिश्रण करता है। मैं चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण को अपने प्रेरक नेतृत्व में इस तरह के शानदार कार्यक्रम की मेजबानी के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। आंध्र प्रदेश ने योग को बढ़ावा देने के लिए यह सार्थक पहल की है।

> " मेरा विश्व से अनुरोध है कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत मानें, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाएं। एक ऐसा आंदोलन, जो विश्व को शांति, स्वास्थ्य और समरसता की ओर ले जाए। जहां हर व्यक्ति दिन की शुरुआत योग से करे और जीवन में संतुलन पाए। जहां हर समाज योग से जुड़े और तनाव से मुक्त हो। जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बने। जहां योगा फॉर वन अथज़, वन हेल्थ एक वैश्विक संकल्प बन जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि योग लोगों को विश्व के साथ एकता की यात्रा पर ले जाता है। दुनिया भर में कुछ तनाव की स्थिति बनी हुई है। मेरा विश्व से अनुरोध है कि इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत मानें, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए। योग एक महान व्यक्तिगत अनुशासन है, यह एक ऐसी प्रणाली है जो लोगों को मैं से हम की ओर ले जाती है और यह वह विराम बटन है जिसकी मानवता को सांस लेने, संतुलन बनाने और पुनः संपूर्ण बनने के लिए आवश्यकता होती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहल को किया याद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने की भारत की पहल को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा था कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए। बहुत ही कम समय में 175 देश इस पहल का समर्थन करने के लिए आगे आए। ऐसी एकता और जबरदस्त वैश्विक समर्थन वास्तव में असाधारण था। यह केवल एक प्रस्ताव पर सहमत होने के बारे में नहीं था, यह मानवता की भलाई के लिए उठाया गया एक सामूहिक कदम था।

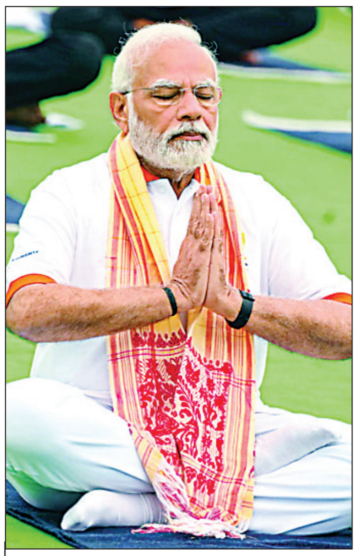

> " योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ को वैश्विक संकल्प बनाने की जरूरत है। आइए हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाएं। योग सीमाओं, पृष्ठभूमि, उम्र या शारीरिक क्षमता से परे सभी के लिए है। यह एक ऐसा उपहार है जो मानवता को स्वास्थ्य, सद्भाव और चेतना में जोड़ता है।
>
> -प्रधानमंत्री मोदी

दुनियाभर तक पहुंचा योग

पीएम मोदी ने कहा कि कैसे योग पृथ्वी के हर कोने तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य और शांति का वैश्विक प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि चाहे सिडनी ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, एवरेस्ट की चोटियां हों या समुद्र का विस्तार। हर जगह संदेश एक ही है - योग सभी का है और सभी के लिए है। योग की वैश्विक स्वीकृति सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह मानव कल्याण के लिए एक संयुक्त प्रयास है।

> " उन्होंने कहा कि दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने घोषणा की कि 21 जून को हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। पिछले एक दशक में, हमने देखा है कि कैसे दुनिया ने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए योग को एक शक्तिशाली अभ्यास के रूप में अपनाया और स्वीकार किया है। -प्रधानमंत्री मोदी

योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के लोगों को योग दिवस शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज 11वीं बार पूरी दुनिया 21 जून को एक साथ योग कर रही है। योग का सीधा सा मतलब है जुड़ना। यह देखना अद्भुत है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। कई लोगों के लिए, इसका बहुत गहरा अथज़ है। यह एक ऐसा मागज़ है जिसके माध्यम से हम अक्सर ध्यान जैसी प्रथाओं के माध्यम से अपनी आंतरिक चेतना से जुड़ने का प्रयास करते हैं। योग शब्द का अथज़ ही 'एकजुट होना' है, जो शरीर, मन और आत्मा के मिलन का प्रतीक है। यह न केवल एक शारीरिक अनुशासन है, बल्कि एक गहन मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास भी है।

योग भारत के ऋषि मुनियों की सदियों पुरानी योग विधा

» रामेष्ट धाम केशव मधुवन वाटिका केशव नगर में योग शिविर का आयोजन किया गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार प्रातः 6 बजे रामेष्ट धाम केशव मधुवन वाटिका केशव नगर में योग शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।

योग शिक्षक श्याम बिहारी शर्मा के मार्गदर्शन में सरकार द्वारा किया जारी योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए योगीजनों को आसन, ध्यान,

प्राणायाम के साथ सूक्ष्म व्यायाम भी कराया गया। श्री शर्मा ने कहा कि करो योग रहो निरोग यह केवल एक नारा ही नहीं हैं वास्तविकता है।यदि आप प्रातः जल्दी उठते हैं नियमित योग करते है और संतुलित, शाकाहारी और एक निश्चित समय पर भोजन करते है तो आप स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु प्राप्त करेंगे।

आज के योग शिविर के आयोजनकर्ता राजेन्द्र अवस्थी ने बताया कि वाटिका में पिछले 15 वर्षों से नियमित योग कक्षा लगती है और योगी जन उसका लाभ उठाते है ।योग भारत के ऋषि मुनियों की सदियों पुरानी योग विधा है

जिसके माध्यम से हम स्वस्थ रहने के साथ मानसिक तनाव, रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर आदि जैसी तमाम असाध्य बीमारियों से अपना बचाव करते हुए सुखमय जीवन जी सकते हैं।

आज के योग शिविर में प्रमुखरूप से ईश्वर प्रेम आश्रम की संचालिका संत प्रतिमा प्रेम जी,श्री जयराम दुबे, श्री राम उत्तम, कृष्ण मुरारी शुक्ला, राज कुमार शर्मा, चन्द्र भूषण मिश्रा,डॉक्टर प्रभात तिवारी, ,राम प्रकाश पाण्डेय, किशोर जी, आर के त्रिपाठी, पी के त्रिपाठी,अशोक गुप्ता, वी के निगम शालिग् राम शर्मा, अरविंद श्रीवास्तव,विजय लक्ष्मी अवस्थी, सीमा शुक्ला, रेनू अवस्थी, शिल्पी गुप्ता, डॉक्टर वंदना तिवारी, निर्मला, आदि उपस्थित रहीं।

बाबा अमरनाथ में भंडारे के लिए एक ट्रक राशन सामग्री रवाना

श्री शिव परिवार सेवा समिति अमरनाथ यात्रियों के लिए बेस कैंप जम्मू में लगाती है भंडारा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। श्री शिव परिवार सेवा समिति अमरनाथ यात्रा के दौरान बेस कैंप भगवती नगर जम्मू में विगत कई वर्षों से विशाल भंडारे का आयोजन कर रही है।

यह भंडारा यात्रा अवधि तक चलाया जाता है।

श्री शिव परिवार सेवा समिति कानपुर महानगर की एक मात्र समिति है जो नगर वासियों के सहयोग से स्वयं भंडारे का संचालन करती है. 2025 की यात्रा के दौरान समिति अपने छठवें भंडारे का आयोजन करने जा रही है इस आयोजन में प्रयुक्त होने वाली

राशन सामग्री एवं अन्य उपयोगी सामानों से भरा हुआ एक ट्रक समिति के भंडारा संग्रहण कार्यालय दरोगा चौराहा बर्रा से भगवती नगर जम्मू के लिए रवाना हुआ. जिसमें की दुर्गेश तिवारी, दीपक गौर, राम अवतार, राजेश शर्मा, विजय कुमार द्विवेदी, धीरज कश्यप, राजेंद्र भट्ट, गुंजन शर्मा, वाल्मीकि गुप्ता, दीपक पाण्डेय, विवेक शुक्ला सचिन किशन सजनानी नितिन मिंटू मोहित प्रांशु सुनील आदि उपस्थित रहे.

अब कानपुर में छिड़ेगी मूल बनाम इंपोर्टेड भाजपा की जंग !

» सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं कमेंट

डीएम बनाम सीएमओ मामले में राजनेताओं के कूदने से दो धड़ों में नजर आए भाजपाई

निर्मल तिवारी /स्वराज इंडिया

कानपुर। सीएमओ के निलंबन के साथ कानपुर की प्रशासनिक फिजाएं शांत और अनुशासित नजर आ रही हैं। नए सीएमओ की डीएम साहब को भेंट स्वरूप पौधा देने की तस्वीर प्रशासनिक स्तर पर फिलहाल आल इज वेल की बानगी बना रही है। वहीं राजनीतिक वातावरण में भाजपा का अंदरूनी क्लेश से बढ़ती गर्मी महसूस हो रही है। कानपुर दक्षिण युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित गुप्ता ने कल एक पोस्ट कर इस पूरे विवाद को और गहरा कर दिया। अंकित गुप्ता ने डीएम बनाम सीएमओ की लड़ाई को अब मूल भाजपाई बनाम आयातित भाजपाई घोषित कर दिया है। राजनीति में थोड़ा भी इंटरेस्ट रखने वाले लोग जानते हैं कि अंकित गुप्ता महाना खेमें के हैं और उन्हें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का वरदहस्त प्राप्त है।

प्रश्न यह उठ रहा है कि क्या इस तमाम विवाद में स्वयं को अलग रखे नजर आ रहा कानपुर भाजपा संगठन भी अब धीरे-धीरे इस विवाद की चपेट में आ जाएगा?

यदि समय रहते कानपुर बीजेपी की इस बीमारी का इलाज नहीं किया गया तो आने वाले वक्त में बीजेपी को इसका बड़ा खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। क्योंकि इस मुद्दे का प्रभाव क्षेत्र कानपुर ही न रहकर पूरा यूपी बल्कि कहा जाए पूरा देश बन सकता है। विशेष रूप से उसे स्थिति में जब पीडीए रथ पर सवार विपक्ष ने इस प्रकरण में भी जाति का एंगल उछालना शुरू कर दिया है।

भाजपा में छिड़ी अंदरूनी जंग, 2027 में दे सकता है नुकसान

कानपुर में प्रशासनिक अफसर के बीच शुरू हुई तकरार अब भाजपा की अंदरूनी लड़ाई बन गई है। मूल बनाम इंपोर्टेड जैसी पोस्ट इस लड़ाई को अब एक नए धरातल पर लेकर जा रही है। इसका कारण है दोनों ही पक्षों के अति उत्साही कार्यकर्ता।

दरअसल इस पूरे प्रकरण में सीएमओ के पक्ष में भले ही तीन चिट्ठी लिखी गई हों लेकिन एमएलसी अरुण पाठक और गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने समझदारी दिखाते हुए स्वयं को इस प्रकरण से अलग कर लिया? ।इन माननीयों की लाइन समझ कर दोनों के समर्थक भी इस मुद्दे पर मौन हो गए। लेकिन महाना समर्थकों की अति सक्रियता और बड़बोलेपनने इस मुद्दे को महाना की प्रतिष्ठा से जोड़ दिया। जबकि चिट्ठी के विषय में जैसे विचार अरुण पाठक और सुरेंद्र मैथानी ने व्यक्त किए थे लगभग उसी अंदाज में विधानसभा अध्यक्ष भी अपनी बात पत्रकारों से कह चुके थे।

मूल भाजपाई V/S इंपोर्टेड भाजपाई

जयघोष ने आग में डाला घी

दरअसल निलंबन आदेश आने के पहले ही कानपुर बीजेपी में गुटबाजी का एक त्रिकोण उभर चुका था। जिसमें तीनों बिंदुओं पर महेश त्रिवेदी, अभिजीत सिंह सांगा और सतीश महाना नजर आ रहे थे। निलंबन आदेश आने के बाद बिठूर और किदवई नगर में उठी जयघोष की ध्वनियों से महाराजपुर तिलमिला गया।

समर्थकों की निगाह में उनका नेता ही सुप्रीम

गाहे बगाहे, चलते फिरते इन तीन विधायकों का काफिला अगर आपके आसपास से गुजरा होगा तो अपने स्वयं ही कभी जय अभिजीत तो कभी जय महेश और कभी जिसके साथ जमाना है.... जैसे नारे सुने होंगे।

दरअसल यह नारे उनके समर्थकों की मनोस्थिति को बताते हैं। कहने को तो ये सब भाजपाई हैं लेकिन इन समर्थकों के लिए उनके पक्ष का विधायक ही इनका संगठन है और वही उनके लिए सुप्रीम नेता है।

कौन मूल कौन भाजपाई इंपोर्टेड

इसे आप संयोग कहे या कुछ और सीएमओ के पक्ष में चिट्ठी लिखने वाले तीनों माननीय किशोर अवस्था से ही संघ और भाजपा से जुड़े रहे हैं जबकि सीएमओ की खिलाफत करने वाले दोनों ही विधायक 2017 के आसपास भाजपा में शामिल हुए। दूसरे दलों से भाजपा में आए इन नेताओं को ही आयातित बताया गया है।

लेकिन इसमें भी शायद युवा मोर्चा अध्यक्ष के पास जानकारी का अभाव है क्योंकि महेश त्रिवेदी भी शुरुआत में संघ और भाजपा से जुड़े रहे हैं। वर्ष 2002 में जब उन्हें टिकट नहीं मिला तब वह भाजपा छोड़ कानपुर देहात की राजपुर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़े और जीते।

इन आयातित नेताओं ने दिलाईं लगातार हार वाली सीटें

युवा मोर्चा अध्यक्ष जिन नेताओं को आयातित बताकर तंज कस रहे हैं, इन्हीं दोनों की दम पर बीजेपी का झंडा उन सीटों पर लहराया जिन्हें वह कभी जीत नहीं पाई थी। बिठूर विधानसभा में भाजपा तीसरे नंबर की पार्टी थी जहां मुकाबला सपा बनाम कांग्रेस रहा। इसी प्रकार अस्तित्व में आने के बाद ब्राह्मण बहुल सीट होने के बाद भी अजय कपूर कांग्रेस पार्टी से विधायक बनने में सफल रहे थे जो कि वर्तमान समय में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए हैं और उन्हें भी आयातित नेता कहा जा सकता है। महेश त्रिवेदी जब 2017 में बीजेपी के प्रत्याशी बने तब यह सीट पहली बार बीजेपी की झोली में आई।

डीएम सीएमओ विवाद में जाति की एंट्री

निलंबन के बाद सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिस प्रकार के आरोप लगाए ,उससे विपक्ष को सरकार पर हल्ला बोलने का मौका मिल गया।

विपक्ष इस मुद्दे को लपक कर सरकार की ईमानदार छवि और सबका साथ सबका विकास नारे की काट कर रहा है। भाजपा की अंदरूनी लड़ाई ने विपक्ष को पीडीए की तलवार भांजने का सुनहरा अवसर उपलब्ध करा दिया।

स्वयं को पार्टी विद डिफरेंस बताने वाली भाजपा की कानपुर इकाई में हमेशा ही अनुशासनहीनता छाई रही है। जिसका सबसे बड़ा कारण नेताओं की गुटबाजी रही है।

इसी गुटबाजी के चलते 2002 से 2012 तक भाजपा के लिए कानपुर वाटरलू का मैदान साबित हुआ। अमित शाह के उत्तर प्रदेश प्रभारी बनने के बाद कानपुर बीजेपी की गुटबाजी कुछ समय के लिए शांत हुई। लेकिन 2022 से भाजपा की यह पुरानी बीमारी फिर से उभरने लगी है।

युवा मोर्चा दक्षिण अध्यक्ष अंकित गुप्ता जैसे पदाधिकारी इस गुटबाजी को नई धार देते नजर आ रहे हैं। मोदी, अमित शाह की नई भाजपा के विस्तार में इन कथित आयातित नेताओं का बड़ा योगदान है। कानपुर ही नहीं पूरे यूपी में और यूपी ही नहीं पूरे देश में भाजपा ने रणनीति बनाकर दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं के लिए रेड कारपेट बिछाया और भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को स्थापित किया। स्थानीय नेता अपने बड़बोलेपन के चलते बीजेपी का बड़े स्तर पर नुकसान कर सकते हैं। क्योंकि यदि आयातित नेताओं की लिस्ट बनाई गई तो वह उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से होते हुए असम के मुख्यमंत्री तक जाएगी

और विपक्ष को भाजपा पर हमला करने के और नए हथियार उपलब्ध कराएगी। समय रहते यदि कानपुर से उठ रही इस वैचारिक सुगबुगाहट को थामा नहीं गया तो आने वाले समय में भाजपा के अंदर यह मुद्दा बवंडर भी ला सकता है।

'माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उचित कार्रवाई की गई है'

अभिनव शुक्ला गोलू
पार्षद वार्ड 66

'पूरे विवाद पर हमें कुछ नहीं कहना है। अंकित गुप्ता की पोस्ट मैंने देखी नहीं है और इस पर वही बेहतर तरीके से बता सकते हैं।'

शिवराम सिंह अध्यक्ष भाजपा
कानपुर दक्षिण

'अंकित गुप्ता को स्वराज इंडिया कार्यालय से कई बार फोन किया गया लेकिन उठा नहीं। व्हाट्सएप पर किए गए मैसेज का जवाब नहीं दिया गया।'

नई दिल्ली में आयोजित किया ज्योतिष महासम्मेलन

» देशभर से पहुंचे ज्योतिषाचार्य एवं एस्ट्रोलॉजर को मिला सम्मान

» इंस्टिट्यूट के फाउंडर एवं अध्यक्ष आचार्य डॉ. अमित मोहन पदमावत द्वारा सम्मानित किया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/नई दिल्ली। दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब नई दिल्ली में विराट ज्योतिष महासम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन एएमपी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एस्ट्रोलॉजी एंड वैदिक साइंस द्वारा आयोजित किया गया। यहां देशभर से पहुंचे दिग्गज ज्योत्साचार्य भागवत आचार्य एवं वास्तु शास्त्री, टैरोकार्ड रीडर ,अंक ज्योत्साचार्य, इसके साथ ही समाज में विभिन्न क्षेत्रों में लगातार समाज के लिए काम कर रहे लोगों को सम्मानित किया गया। इंस्टिट्यूट के फाउंडर एवं अध्यक्ष आचार्य डा. अमित मोहन पदमावत द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रमुख रूप से पधारे ज्योतिषाचार्यों में हरियाणा से ज्योतिषाचार्य मोहित मित्तल, गाजियाबाद से आई प्रीति बिश्नोई को एस्ट्रोलॉजिकल लाइफटाइम अचीवमेंट एंड ज्योतिष रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया, कानपुर से आई अंजली दुबे को द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित किया गया। ज्योतिषाचार्य मंजू शर्मा दिल्ली को वंदे भारत नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया, दिल्ली निवासी श्वेता विज जी को कर्मयोगी अवार्ड से सम्मानित किया गया, ज्योतिषाचार्य रोमी दिल्ली को रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया, ज्योतिष आचार्य रोशनी कैलाश शर्मा भोपाल कोई एस्ट्रोलॉजिकल लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया, दिल्ली निवासी सोनिया गर्ग जी को वस्तु एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया, डॉली भगत को ज्योतिष ऋषि अवार्ड से सम्मानित किया गया, दिल्ली से चलकर सारिका त्यागी को वास्तु सम्राट अवार्ड से सम्मानित किया गया, नोएडा से चलकर आए । शशांक शर्मा जी को ज्योतिष सम्राट रन से सम्मानित किया गया विवेक भदौरिया कानपुर और विवेक सोनी को रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया इटावा से चलकर आए अमर पाठक को ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया,

नीलम निरंजन झांसी की को ज्योतिष रत्न से सम्मानित किया गया,

इस मौके पर अस्पताल के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए डॉक्टर पंकज को सम्मानित किया गया इलाहाबाद से आए,

शाहजहां निवासी अमृता को ज्योतिष भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, गाजियाबाद की डॉ वैशाली को अंक ज्योतिषआचार्य से सम्मानित किया गया, राजस्थान से चलकर आए प्रवीण एस कशिका को अटल भारत सम्मान से सम्मानित किया गया, वही महाराष्ट्र से चलकर आए ज्योतिनितेंद्र जी को विद्यासागर अवार्ड से सम्मानित किया गया, दिल्ली से आए आर वेन्यू गोपाल जी को द्रोणाचार्य रन से सम्मानित किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी जी उपस्थित रहे उनके द्वारा अतिथियों को सम्मान किया गया, सूरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा द्वारा अवार्ड प्रदान किए गए, एमएलसी एवं विधायक आदरणीय अरुण पाठक जी द्वारा तमाम भागवत कथा आचार्य को सम्मानित किया गया। वहीं विधायक राहुल बच्चा सोनकर , मनी सांसद रमेश अवस्थी जी प्रतिनिधि उपेंद्र शुक्ला , विधान परिषद के सभापति की प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री ज्योति सोनी , एवं मध्य प्रदेश के प्रचारक रहे जोगी विजेंद्र नाथ कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के सांसद कैलाश सोनी को अजय पाठक द्वारा पकड़ी अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। ज्योतिषी विज्ञान है इस व्याख्यान को लेकर भारत के जाने-माने ज्योतिषाचार्य और इस कार्यक्रम के संचालक आचार्य डॉक्टर अमित मोहन पद्मावत ने कहा कि हमें अभी और अध्ययन करने की आवश्यकता है जिस प्रकार से पिछले हफ्ते विमान दुर्घटना हुई इस प्रकार की घटनाएं दोबारा ना हो उसको लेकर के भी ज्योतिषियों को भविष्य में होने वाली घटनाओं को लेकर अपनी राय अवश्य रखनी चाहिए। इस दौरान अमन वर्मा स्वर्णकार , दिल्ली एसीपी क्राइम ब्रांच अक्षय रस्तोगी जी, दिल्ली रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजेश वर्मा , ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री हर्षित वर्मा जी, शिव प्रताप परिहार विशेष कार्यकारिणी सदस्य आदित्य यादव जी, विवेक, अजीत वर्मा जी पवन वर्मा जी , राजेश सोनी आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मंत्री की अनर्गल बयानबाजी अक्षम्य

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वत- संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी थी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उनका राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने की छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने के लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए।

युद्ध से पहले युद्ध जीतने की रणनीति

एस एस मेहता

पाकिस्तानी करतूतों के जवाब में हमारा संदेश यह है कि लड़ाई हम शुरू नहीं करेंगे,लेकिन तय हम करेंगे कि युद्ध शुरू कब हो और खत्म कब हो। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही और कार्रवाई प्रभावी व सटीक।ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाने वाली घटना थी - वास्तव में, परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' का सवाल आने जैसा! गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था - लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संबोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया। भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज्यादा ज़ोरदार रही।

भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहीं- उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता-सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है।चिंगारी विफल हुई ः कश्मीर का प्रत्युत्तर ः अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्वेग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साई भीड़ नहीं। रोज़मर्रा ज़िंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना।भारत आहत हुआ। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी- कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति- संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमज़ोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाज़ी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया ः भारत अनेक है, फिर भी एक है। बिना दिखावे के सटीकता ः जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगज़े गूंज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की- चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे-तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही ः मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन-दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नही था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था ः भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी। तनाव बढ़ना, फिर घटना भारत की शर्तों पर - पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ढर्रे की रही ः मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई - नपी-तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची।और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया- बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा ः न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की ज़रूरत नहीं - कार्रवाई में सबूत मिला।

लाहौर केस की स्वतंत्रता आंदोलन में निर्णायक भूमिका

मोदी डॉक्ट्रिन

के एस तोमर

प्रधानमंत्री मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।मोदी के भाषणों का गहन विश्लेषण दर्शाता है कि उनका डॉक्ट्रिन केवल शब्दों तक सीमित नहीं है—यह अडिग संकल्प के साथ लागू किया गया है। भारत द्वारा नौ आतंकवादी शिविरों का खात्मा और पाकिस्तान के ग्यारह एयर बेसों को नष्ट करना इस नई नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संदेश स्पष्ट है कि चरमपंथियों को, चाहे वे पाकिस्तान सेना द्वारा शरण प्राप्त करें या स्वतंत्र रूप से कार्य करें, राज्य कर्ताधर्ता के रूप में माना जाएगा और दोनों को प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने इस डॉक्ट्रिन का उपयोग एक व्यापक वैश्विक संदेश देने के लिए भी किया है—पाकिस्तान की आतंकवादी नीति केवल भारत की समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि इस्लामाबाद का आतंकवादी नेटवर्क पश्चिमी शक्तियों को भी निशाना बना चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए 9/11 के हमले और लंदन मेट्रो में हुए घातक बम विस्फोटों के तार पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों से जुड़े हुए हैं। मोदी के अनुसार, पाकिस्तान में राज्य और आतंकवाद एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिससे यह देश अपने प्रॉक्सी युद्ध के कृत्यों में सम्मिलित हो जाता है।

घरेलू स्तर पर, मोदी डॉक्ट्रिन की

सफलता 2029 के लोकसभा चुनावों और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी की संभावना को बढ़ा सकती है। आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख 2019 पुलवामा हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक जैसे राष्ट्रवादी भावनाओं को सशक्त बना सकता है, जो चुनावी गति में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है। मोदी सरकार की निर्णायक कार्रवाइयां प्रभावी रूप से चुनावी अभियानों में इस्तेमाल की गई हैं, मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। विपक्षी दलों के लिए इस विमर्श को नकारने में मुश्किल हो सकती है, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अक्सर रक्षात्मक नजर आते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। दशकों तक, सीमा पार आतंकवाद को कूटनीतिक आदान-प्रदान और तपे-तुले उत्तरों के साथ निपटा गया था। लेकिन मोदी के नेतृत्व में, भारत ने यह घोषणा की है कि आतंकवादी हमलों को अब युद्ध की कार्रवाई के रूप में माना जाएगा—जिसमें सबसे कड़ा दंड, सीमा पार हमलों और आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया शामिल होगी। मोदी डॉक्ट्रिन का एक और प्रमुख पहलू पाकिस्तान द्वारा प्रचारित परमाणु युद्ध के खतरे को नष्ट करना है। इस्लामाबाद की आदत बन चुकी परमाणु कूटनीति अब प्रभावहीन हो गई है, क्योंकि भारत ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि वह परमाणु डर को दरकिनार करते हुए निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।भारत की सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने की तत्परता न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित रखती है, बल्कि इसने एक शक्तिशाली वैश्विक संदेश भी दिया है। इसने यह प्रदर्शित किया कि राष्ट्रों के पास आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने का संप्रभु अधिकार है, यदि कोई और विकल्प न हो, और यह सिद्धांत अमेरिका, इस्राइल जैसे अन्य देशों के लिए भी प्रासंगिक है जो समान खतरों का सामना कर रहे हैं।

समाज कल्याण अधिकारी ने बाबुओं पर लगाया वसूली का आरोप, पत्र वायरल डीएम ने लिया संज्ञान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सोशल मीडिया पर वायरल तीनों पत्र में बाबुओं को जिले से हटाकर किसी अन्य जिले में तैनात करने का अनुरोध समाज कल्याण निदेशक से किया गया है। वायरल पत्रों का जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले की जांच कराने की बात भी कही।

सीएमओ के निलंबन के बाद समाज कल्याण विभाग में तैनात तीन बाबुओं और एक ऑपरेटर के खिलाफ भी कार्रवाई के पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह ने इन कर्मियों को जिले से हटाने के लिए समाज कल्याण निदेशक को तीन पत्र लिखे हैं।

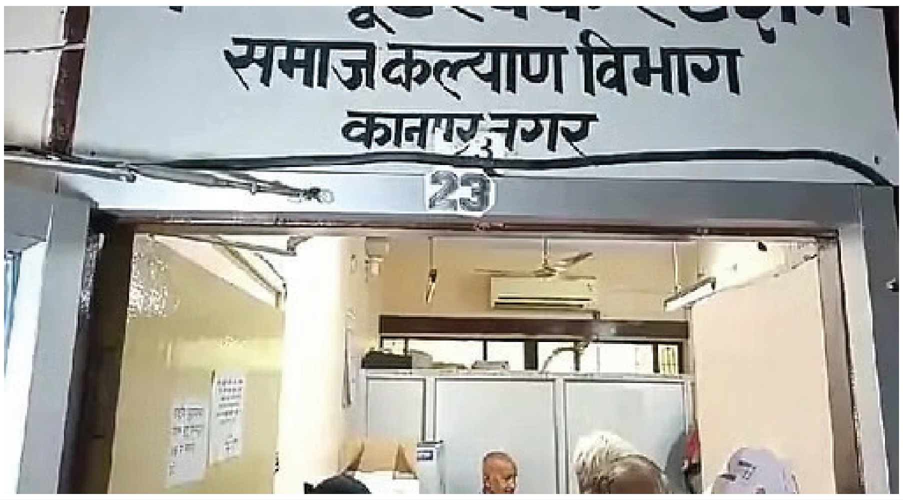

उन्होंने सरकारी योजनाओं की सहायता राशि में धन वसूली और कार्य के प्रति लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। यह पत्र समाज कल्याण अधिकारी ने 11 जून को लिखे थे। सोशल मीडिया पर पत्र वायरल होने पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल, सीएमओ के कथित रूप से ऑडियो और जनप्रतिनिधियों के लिखे पत्र वायरल होने के बाद शासन से तुरंत निलंबन की कार्रवाई हो गई।

कर्मचारियों को हटाने के लिए भेजा है पत्र

ऐसे में इन्हें जल्द कार्रवाई की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। समाज कल्याण विभाग विभाग में लगातार एक के बाद एक चर्चाएं शुरू हैं। विभाग के जिन कर्मचारियों ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से समाज कल्याण अधिकारी की शिकायत की थी, अब उन्हीं कर्मचारियों को जिले से हटाने के लिए निदेशक को पत्र भेजा है।

कर्मचारियों को हटाने के लिए भेजा है पत्र

ऐसे में इन्हें जल्द कार्रवाई की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग विभाग में लगातार एक के बाद एक चर्चाएं शुरू हैं। विभाग के जिन कर्मचारियों ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से समाज कल्याण अधिकारी की शिकायत की थी, अब उन्हीं कर्मचारियों को जिले से हटाने के लिए निदेशक को पत्र भेजा है।

लगातार मिल रही हैं धन वसूली की शिकायतें

समाज कल्याण अधिकारी ने पहला पत्र कनिष्ठ सहायक प्रेम शरण के खिलाफ लिखा। इसमें बताया कि नौ वर्ष से कार्यालय में तैनात प्रेम शरण राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार उत्पीड़न पटल देखते हैं। इनके खिलाफ लगातार धन वसूली की शिकायतें मिल रही हैं। धन वसूली के ऑडियो, वीडियो भी पीड़ितों ने सौंपे हैं।

फर्जीवाड़े के अभिलेख भी गायब कर दिए

इन्होंने वर्ष 2021 में शादी अनुदान, पारिवारिक लाभ योजना में हुए फर्जीवाड़े के अभिलेख भी गायब कर दिए हैं। इस मामले में विभाग में तैनात कंप्यूटर आपरेटर रितेश कुमार की मिलीभगत बताई। दूसरा पत्र कनिष्ठ सहायक सुनील वर्मा के खिलाफ लिखा। इसमें उन्होंने सुनील को 10 वर्ष से कार्यालय में तैनात बताया।

फर्जी तरीके से आवास आवंटन प्रमाणपत्र जारी करने का आरोप

इन पर उन्नयन बस्ती में फर्जी तरीके से आवास आवंटन प्रमाणपत्र जारी करने का आरोप लगाया। साथ ही वर्ष 2023-24 में छात्रों का अध्ययन पूर्ण न करते हुए पाठ्यक्रम अधूरा छोड़ने और छात्रों की छात्रवृत्ति संबंधित हार्ड कापी उपलब्ध न कराने समेत अन्य आरोप लगाए। तीसरा आरोप कनिष्ठ सहायक अंजू गौतम पर लगाया।

वायरल पत्रों का जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया

बताया 10 वर्ष से जिले में तैनात हैं। इन्हें विभाग की कोई जानकारी नहीं है। किसी भी कार्य में रुचि नहीं लेती हैं। सोशल मीडिया पर वायरल तीनों पत्र में बाबुओं को जिले से हटाकर किसी अन्य जिले में तैनात करने का अनुरोध समाज कल्याण निदेशक से किया है। वायरल पत्रों का जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले की जांच कराने की बात भी कही।

नहीं बन सकी पाइपलाइन, 20 लाख लोगों को आज भी पानी की किल्लत

» कंपनीबाग चौराहे से फूलबाग तक नई मुख्य पाइपलाइन बिछा रहे ठेकेदार ने 19 जून को तिलकनगर में राजीव पेट्रोल पंप चौराहे पर जलकल विभाग की मुख्य पाइपलाइन तोड़ दी थी।

पाइपलाइन बिछा रहे ठेकेदार ने 19 जून को तिलकनगर में राजीव पेट्रोल पंप चौराहे पर जलकल विभाग की मुख्य पाइपलाइन तोड़ दी थी। जलकल विभाग ने इसकी मरम्मत के लिए सुबह 9:00 बजे बेनाझाबर वाटर वर्क्स और भैरोघाट पंपिंग स्टेशन बंद किया।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जल निगम ने तिलकनगर में मुख्य पाइप लाइन तोड़ दी थी। उसकी मरम्मत की जा रही है। शाम को बेनाझाबर वाटर वर्क्स में नहर से मिले पानी को शोधित कर आपूर्ति की गई।

कानपुर के तिलकनगर में मुख्य पाइपलाइन टूटने से शुक्रवार को प्रेमनगर, भूसाटोली, कारवालोनगर, झकरकटी, लक्ष्मीपुरवा के 20 लाख लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा। सबमर्सिबल वालों के घरों में भीड़ रही। उधर, जलकल विभाग ने पांच मोहल्लों में पानी के टैंकर भेजे, पर वे भी नाकाफी साबित हुए। जलकल विभाग और जल निगम शाम तक पाइप लाइन की मरम्मत नहीं कर पाया है। इससे लोगों को 21 जून को भी पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा।

कंपनीबाग चौराहे से फूलबाग तक नई मुख्य

इससे शहर के 28 जोनल पंपिंग स्टेशनों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई। खोदाई करने पता चला कि बेनाझाबर वाटर वर्क्स से विभिन्न मोहल्लों में पानी की आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइपलाइन नहीं टूटी है, बल्कि भैरोघाट पंपिंग स्टेशन से बेनाझाबर वाटर वर्क्स में कच्चा पानी पहुंचाने वाली एक पाइपलाइन टूटी है।

शाम तक मरम्मत नहीं हो पाई। जल निगम के ठेकेदार ने उक्त पाइपलाइनों के ऊपर ही नई मुख्य पाइपलाइन बिछा दी। अब जल निगम से उस स्थान से नई पाइपलाइन हटाने को कहा गया है। उधर, जलकल विभाग ने लोअर गंगा कैनाल से मिले करीब पांच करोड़ लीटर पानी की ही शाम को आपूर्ति की, जबकि प्रेमनगर, भूसाटोली, कारवालोनगर, झकरकटी, लक्ष्मीपुरवा सहित कई मोहल्लों में शाम को नलों से पानी नहीं आया। परेशान लोग पड़ोसियों के सबमर्सिबल या सार्वजनिक सबमर्सिबल से पानी भरने के लिए मजबूर रहे।

जल निगम ने तिलकनगर में मुख्य पाइप लाइन तोड़ दी है। उसकी मरम्मत की जा रही है। शाम को बेनाझाबर वाटर वर्क्स में नहर से मिले पानी को शोधित कर आपूर्ति की गई। गंगा बैराज से भी पानी लिया जा रहा है।

चेहरे पर चमक लाना है और झुर्रियां मिटाना है तो करें योग

» प्रतिदिन 30 मिनट योग से थाम सकते हैं बढ़ती उम्र की गति

» पब्लिक वेफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश मुख्यालय पर सिखाया गया योग

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शरीर को रोगों से दूर रखने के लिए योग क्रियाएं देह में ऊर्जा का संचरण करतीं हैं वहीं ध्यान मानसिक स्थिति के प्रबंधन की शक्ति देता है। ऐसे में चेहरे पर तेज बढ़ता है और त्वचा की सिकुडंन मिटती है और कांति उभरती है।

वास्तव में विश्व गुरु बुद्ध ने मानव शरीर के लिए योग की अलौकिक शक्ति दी है। यह बातें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योग व ध्यान क्रिया विशेषज्ञ अजय सिंह ने बताई। उन्होंने कहा कि योग वह क्रिया है जो शरीर के प्रत्येक अंग को समुचित व्यायाम देता है। शनिवार प्रात: पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) मुख्यालय पर आयोजित विश्व योग दिवस के अवसर पर वरिष्ठ योगाचार्य मेडिटेशन प्रिसेप्टर डॉ सत्येंद्र कुमार कटियार की अगुवाई में योग अभ्यास किया गया।

सामूहिक रूप से योग क्रियाओं का अनुसरण किया गया।

इस दौरान डॉक्टर सत्येंद्र कटियार ने कहा कि प्रतिदिन तीस मिनट तक योग करने से इंसान की उम्र लम्बी और शरीर दुरुस्त बनता है। उन्होंने बताया कि योग व प्राणायाम से बुजुर्गवार भी असाध्य रोगों से मुक्ति पा सकते हैं। प्रात: 7 बजे से 9 चले इस योग कार्यक्रम में योग को लेकर चर्चाएं की गई और विशेषज्ञों ने उपस्थितजनों को बिन्दुबार विस्तृत जानकारी साझा की।

संस्था महासचिव पंकज कुमार सिंह ने ने बताया कि पीडब्ल्यूए की नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा केंद्र के ज़रिये लोगों को योग व ध्यान की क्रियाओं को सिखाया जाता हैं और इसके लाभ के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता है। यहाँ ट्रेजरार विपिन पटेल, एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद वर्मा, मुकुल भदौरिया, अनामिका सिंह, मंजेश पटेल, वेद भदौरिया, बीडी सचान, राम सिंह,विशेष पटेल, पीहू आदि रहे।

बेवजह हंसने से नहीं मिलता शरीर को लाभ

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एमडी शाक्य ने बताया कि हसीं कई प्रकार की होती है और यह भी पूरे शरीर को व्यायाम देती है लेकिन बेवजह कृत्रिम तौर पर योग के रूप में लम्बी हसी हँसना केवल डिस्टर्बेंस के अलावा कुछ नहीं। स्वतः प्रफुल्लित मन के साथ आपस में मिल बैठकर नेचुरल हंसी और ठहाके लगाना शरीर के लिए फायदेमंद होता है। मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए ध्यान क्रिया अपनानी चाहिए जिससे मन प्रफुल्लित होगा और सुखद अनुभूति के साथ हंसी का वातावरण स्वत: बन जाता है यही हंसी है जो शरीर में रक्तसंचार के साथ समस्त अंगों के लिए लाभकारी होता है।

चेन स्नेचिंग में महिला की मौत का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

» पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हुआ शातिर लुटेरा छोटूआ उर्फ सफी

» एक दर्जन से ज्यादा मुकदमों में वांछित, अवैध तमंचा और बाइक बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस ने रनियां क्षेत्र में चेन स्नेचिंग के एक मामले में वांछित शातिर लुटेरे को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी छोटूआ उर्फ सफी ने 14 जून को एक महिला से चेन छीनने की कोशिश की थी, जिसमें महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी ।शनिवार सुबह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी विशायकपुर से आंट मार्ग पर बाइक से घूम रहा है। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से वह घायल हो गया।

घायल आरोपी को इलाज के लिए सीएचसी अकबरपुर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि छोटूआ मंगलपुर डेरा का निवासी है और उसके खिलाफ विभिन्न जनपदों में लूट, चोरी, हमला और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराधों के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक अरविन्द मिश्र स्वयं अस्पताल पहुंचकर आरोपी से पूछताछ की और मुठभेड़ की पूरी रिपोर्ट लेते हुए आगे की विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग के तहत गोल्डी मसाले ने किया एमओयू पर हस्ताक्षर

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। यदुपति सिंघानिया सेंटर फॉर टेक्नीशियन ट्रेनिंग प्रा. लि. और शुभम गोल्डी मसाले प्रा. लि. के बीच इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता भारत सरकार की डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में इंडस्ट्री पार्टनरशिप के रूप में किया गया है।

डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग योजना, जो अगस्त 2016 में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एम एसडी ई) द्वारा शुरू की गई थी,

का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है। यह योजना सिद्धांत आधारित प्रशिक्षण और व्यावहारिक औद्योगिक प्रशिक्षण (इंडस्ट्री में) का समावेश करती है। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योगों को प्रशिक्षित और कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर गोल्डी ग्रुप के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. नमन सक्सेना, यदुपति सिंघानिया सेंटर से मोहम्मद उमर तथा प्रधानाचार्य श्री अनिल चोपड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने इस साझेदारी को एक सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को उद्योग में नवीनतम तकनीकों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके करियर की संभावनाएँ और भी उज्ज्वल होंगी।

सपा नेता की भांजी का शव फंदे से लटका मिला,ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

- » चार साल पूर्व हुई थी शादी
- » घर में फांसी पर झूलती मिली अंशिका
- » दहेज की मांग और लगातार प्रताड़ना का आरोप
- » मायके वालों ने दर्ज कराई एफआईआर
- » पुलिस पर भी लापरवाही के आरोप

मृतका अंशिका की फ़ाइल फोटो

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर के औरंगपुर सांभी गांव में शुक्रवार सुबह विवाहिता का शव उसके ही कमरे में फंदे से लटका मिला। वह समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग के विधानसभा अध्यक्ष शिवकांत पाल की भांजी थी।

कस्बे के शांती नगर निवासी परिजनों का आरोप है कि अंशिका की शादी चार वर्ष पूर्व बिल्हौर के ही औरंगपुर साभी गांव निवासी बाबूराम पाल के बेटे राज प्रताप पाल से की थी।

आरोप है शादी के बाद से ही अंशिका को ससुराल में दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। शुक्रवार सुबह अचानक सूचना दी गई कि अंशिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

लेकिन जब मायके पक्ष मौके पर पहुंचा तो उन्हें हालात संदिग्ध लगे। और अंशिका का शव फंदे से झूलता मिला। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बारीकी से जाँच की और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुला लिया। टीम ने मौके से सबूत एकत्र किए। पुलिस ने वीडियोग्राफी कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वहीं मृतका के भाई विकास ने बिल्हौर थाने में तहरीर देकर ससुरालीजनों पर दहेज के लालच में बहन की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति राजप्रताप पाल, सास शांति, ससुर बाबूराम और भांजे सौरभ के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रिपोर्ट लिखाने में टालमटोल,थाने में चेतावनी के बाद मानी पुलिस

मृतका के मामा शिवकांत पाल ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया कि रिपोर्ट दर्ज कराने में लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा कि पुलिस शुरू में रिपोर्ट लिखने को तैयार नहीं थी। जब परिजनों ने थाने में आत्महत्या की चेतावनी दी। तब जाकर घंटो बाद केस दर्ज हुआ। उन्होंने इस मामले में दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

देह व्यापार | काली परछाई,अब और गहराई--

बिल्हौर-अरौल तक फैला हुआ है विष कन्या का नेटवर्क

- » युवाओं के साथ डॉक्टर भी बन चुका शिकार
- » पार्लर से रसूखदारों तक हो रही सप्लाई
- » विष कन्या के चार सक्रिय अड्डे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। 'सुरमई रातों की स्याह तिजारत' वाली रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद दैनिक स्वराज इंडिया अख़बार के पास लगातार सूचनाएं आ रही हैं। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि वही युवती अब बिल्हौर के साथ अरौल, मकनपुर क्षेत्र तक अपनी 'सप्लाई चेन' फैला चुकी है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com | कानपुर सिटी | कानपुर,सोमवार 16 जून 2025 | 07

सुरमई रातों की स्याह तिजारत, बिल्हौर में गुनाह की खामोश दस्तक

- » नानामऊ तिराहे से लेकर रेलवे स्टेशन तक पसरा है एक डर और सन्नाटा
- » माहौल हो रहा गंदा युवा हो रहे इसका शिकार
- » सतर्क रहकर अपने बच्चों को बचाएं गंदगी से

फोटो प्रतिकात्मक

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। इन दिनों बिल्हौर की गलियों में एक लड़की की चर्चा तेज़ है। छोटा कद, तेज़ बोलचाल और चाल में अजीब सा गुरूर। ये लड़की हर शाम एक नया चेहरा लेकर सड़कों पर दिखाई देती है। दिखने में तो आम है, लेकिन उसके आने-जाने का अंदाज़ और रहन-सहन कुछ और ही कहानी बयां करता है।

बताया जा रहा है कि वह किसी काम की तलाश में है, मगर हकीकत में वह ऐसा काम कर रही है जो न सिर्फ समाज के नियमों को तोड़ता है, बल्कि नौजवानों की सोच और भविष्य को भी बर्बाद कर रहा है। संदेह जताया जा रहा है इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क है।

सूत्र बताते हैं कि कई छात्र जो कभी किताबों में खोए रहते थे, अब उसके इशारों पर चलने लगे हैं। कुछ ने नशे की लत पकड़ ली है। कुछ बेकाबू और झगड़ालू हो गए। उनका ध्यान पढ़ाई-लिखाई से हटकर सिर्फ शौक और बर्बादी की ओर चला गया है।

होटलों-कमरों की चाहरदीवारी के पीछे बिखरते वाब

सूत्रों की माने तो इलाके के कई छोटे-बड़े होटलों में ये लड़की अलग-अलग लड़कों के साथ देखी जाती है। पहले दोस्ती, फिर मीठी बातें, और बाद में जो सौदा होता है वो सिर्फ शरीर का नहीं, इंसानियत का सौदा होता है।

बदबू जो अब हर गली में फैल रही है

ये धंधा अब पूरे कस्बे में धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। कई युवा अब लत में पड़ गए हैं। सूत्रों की मानें तो ये लड़की बिल्हौर की रहने वाली नहीं है बल्कि किसी और जिले से आकर यहां लोगों की जिन्दगी में जहर घोल रही है।

स्वराज इंडिया अख़बार की अपील

स्वराज इंडिया सभी अभिभावकों से अपील करता है कि यदि आपका बेटा बिना कारण देर रात तक बाहर रहता है। यदि वह अचानक गुस्सैल या चुपचाप हो गया है। उसकी दिनचर्या में अचानक बदलाव आया है तो कृपया सतर्क हों। उससे संवाद करें। ज़रूरत हो तो परामर्श लें। गुनाह अकेले नहीं होता, चुप्पी भी उसका हिस्सा बन जाती है।संवेदनशील बनें, सजग रहें।

FOLLOW UP

सूत्रों की मानें तो यह युवती पिछले एक साल से सक्रिय है और बीते छह महीनों में इसकी गतिविधियां बेहद तेज़ हुई हैं। नानामऊ तिराहा, पेट्रोल पंप के सामने और रेलवे स्टेशन तथा ब्लॉक कार्यालय वाली गली यह चारों इसके सक्रिय अड्डे बताए जा रहे हैं।फोन या व्हाट्सएप कॉल पर बुलाओ और तय टाइम पर हाज़िर,यही इसकी शैली है।

इस युवती के संपर्क में न सिर्फ कस्बे के युवा आए हैं, बल्कि यह सुंदरी एक स्थानीय डॉक्टर को भी 20 हजार की ठगी में उलझा चुकी है। व्यापारी वर्ग और कॉलेज के छात्र इसकी लत में फंसते जा रहे हैं। नशे की लत इसमें शामिल है, जिससे और भी खतरा बढ़ गया है। अब देखना है अफसर क्या कार्रवाई करते हैं।

पार्लर की आड़ में रैकेट, रसूखदार ग्राहक

स्वराज इंडिया से एक युवक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कस्बे के एक ब्यूटी पार्लर से रसूखदार लोगों तक लड़कियां भेजी जाती हैं।

बाकायदा एक दलाल है जो बड़े लोगों से संपर्क में रहता है और डील फिक्स करता है। यह पूरा नेटवर्क सुनियोजित तरीके से चलता है।जिसमें पार्लर, दलाल और ग्राहक तीनों की मिलीभगत बताई गई।हालांकि स्वराज इंडिया इसकी पुष्टि नहीं करता है।

ओयो होटलों की अचानक आई बाढ़

बिल्हौर तहसील के एक अधिवक्ता ने बताया कि बिल्हौर कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों ओयो होटल खुलने की बाढ़ आई हुई है।अब सोचिए इन होटलों पर क्या होता होगा। होटलों के आसपास दुकानदारों ने बताया कि मुँह ढक कर लड़के लड़कियों का आना जाना लगा रहता है। होटल वाले थोड़े से लालच में इनकी आईडी भी नहीं मांगते हैं। जिसके कारण इसे और बढ़ावा मिलता है।

स्वराज इंडिया की बराबर रहेगी नेटवर्क पर नजर

दैनिक स्वराज इंडिया इस पूरे नेटवर्क पर नज़र बनाए हुए है।आपकी भी जिम्मेदारी है कि सच बोलने में डरें नहीं। अगर आपके पास कोई जानकारी है तो गुप्त रूप से साझा करें। ताकि समाज को मीठा जहर देने वाली इस बुराई को हम दूर कर सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अकबरपुर नगर पंचायत प्रशासन बना तानाशाह

» प्रसिद्ध अकबरपुर इंटर कालेज साइकिल स्टैंड की दीवार बुलडोजर से गिराई

»स्थानीय लोगों में आक्रोश की लहर

»जिलाधिकारी को शिकायत देने के अगले ही दिन हुई कार्रवाई, प्रधानाचार्य बोले : आर पार की लड़ाई लड़ेंगे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत अकबरपुर और अकबरपुर इंटर कालेज के बीच साइकिल स्टैंड की जमीन को लेकर विवाद गहरा गया है । नगर पंचायत प्रशासन ने इंटर कॉलेज के साइकिल स्टैंड की चारदीवारी को बुलडोजर से गिरवा दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष पति जितेंद्र सिंह गुड्डन, ईओ आशीष कुमार सहित अन्य नगर पंचायत के कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन से मुख्य द्वार छोड़ साइकिल स्टैंड की पूरी चारदीवारी गिरवा दी। यह वही भूमि है जिस पर नगर पंचायत द्वारा चिल्ड्रेन पार्क बनाए जाने का प्रस्ताव दिया गया है। जिसका अकबरपुर इंटर कालेज प्रबंधन द्वारा लंबे समय से विरोध किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य भारत सिंह ने बताया कि साइकिल स्टैंड की भूमि वर्ष 1952 से विद्यालय की आवश्यकता के अनुसार उपयोग में है। यहां विद्यालय की चारदीवारी और गेट लगा है।

प्रतिदिन हजारों छात्र छात्राएं इसमें अपनी साइकिल खड़ी करते हैं। नगर पंचायत द्वारा इस स्थान पर जबरन चिल्ड्रेन पार्क बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

बिना भूमि सत्यापन किए टेंडर उठा दिया गया। प्रधानाचार्य ने इस कृत्य को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए कहा कि यह एक शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर सीधा अतिक्रमण है। हमने कानूनी तरीके से जिलाधिकारी को शिकायत सौंपी थी लेकिन उसके ठीक अगले दिन बिना किसी नोटिस के ऐसी तोड़फोड़ करना असंवैधानिक और तानाशाही है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार इस तानाशाही से डरने वाला नहीं हैं। हम आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

दो दिन पूर्व जबरन पुतवा दिया था मुख्यद्वार

दो दिन पूर्व नगर पंचायत ने जबरन मुख्यद्वार पुतवा दिया था। दशकों से यहां विद्यालय की चारदीवारी और मुख्यद्वार थी जिसपर अकबरपुर इंटर कालेज का नाम दर्ज था। दो दिन पूर्व नगर पंचायत कर्मियों ने विद्यालय बंद होने के चलते मौका पाकर मुख्य द्वार पोत उसपर प्रस्तावित चिल्ड्रेन पार्क लिख दिया था। इसपर बुधवार को प्रधानाचार्य भारत सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र देकर पार्क निर्माण प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की थी। ज्ञापन दिए एक दिन भी नहीं बीता था कि गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष पति बुलडोजर लेकर पहुंच गए और चारदीवारी गिरा दी।

एफआईआर कराएंगे दर्ज, आंदोलन की चेतावनी

प्रधानाचार्य भारत सिंह ने कहा कि इस मामले में नगर पंचायत के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। साथ ही कॉलेज प्रबंधन ने इस कार्रवाई के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुँचाना कानूनन अपराध है और इसका कानूनी जवाब दिया जाएगा।

कानपुर देहात पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दिखाया एकजुट योग संकल्प

» एसपी अरविन्द मिश्र की अगुवाई में पुलिस लाइन में भव्य योग शिविर आयोजित

»योग प्रशिक्षकों के साथ रिक्रूट आरक्षियों और थाना प्रभारियों ने भी लिया भाग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक अरविन्द मिश्र ने किया। शिविर में जनपद के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, रिक्रूट आरक्षी और योग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग शिविर में बेसिक शिक्षा विभाग के राज्य अध्यापक पुरस्कार विजेता नवीन कुमार दीक्षित ने प्रशिक्षक के रूप में योगासन व प्राणायाम करवाए। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने ताड़ासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास किया।

एसपी अरविन्द मिश्र ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि एक पूर्ण जीवन पद्धति है। यह तन, मन और आत्मा के संतुलन से जीवन को स्वस्थ, शांत और ऊर्जावान बनाता है। उन्होंने मानसिक तनाव और रोगों से मुक्ति में योग की भूमिका को रेखांकित करते हुए युवाओं से दैनिक जीवन में योग अपनाने की अपील की।

शिविर के साथ-साथ जनपद के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना परिसरों में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों ने योग को अपने जीवन में नियमित रूप से शामिल करने का संकल्प लिया।

खतरनाक मोड़ पर पलटा दूध टैंकर, चालक ने कूदकर बचाई जान

बिल्हौर से आ रहा खाली टैंकर तिश्ती चौकी के पास खड्डे में गिरा, आग लगने से दस्तावेज व मोबाइल जलकर राख

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के तिश्ती चौकी अंतर्गत श्री दयाल इंटरनेशनल स्कूल के समीप शुक्रवार को एक गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। सरैया गांव के पास स्थित कुख्यात मोड़ पर बिल्हौर से आ रहा ज्ञान दूध डेयरी का खाली टैंकर अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरा और उसमें अचानक आग लग गई ।टैंकर चालक सुरेंद्र कुमार ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन टैंकर में मौजूद जरूरी दस्तावेज और मोबाइल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। चालक के अनुसार, हादसा एक अन्य वाहन के अचानक ओवरटेक करने के चलते हुआ ।सौभाग्य से टैंकर खाली था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई ।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह मोड़ बेहद खतरनाक है। दोनों ओर घने बाबुल के पेड़ लगे होने के कारण यह एक अंधा मोड़ बन गया है, जहां सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। इससे पहले भी इस स्थान पर कई हादसे हो चुके हैं। प्रशासन से मांग की है कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यहां चेतावनी संकेतक, स्पीड ब्रेकर और पेड़ों की छंटाई की जाए। उनका आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

बिजली ट्रिपिंग से जूझ रही एक लाख से अधिक की आबादी

» नगर पंचायत बेलहरा समेत सैकड़ों गांव की बिजली आपूर्ति ध्वस्त

» उप जिलाधिकारी को लिखित शिकायत की गई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। नगर पंचायत बेलहरा समेत करीब सौ से अधिक गांव की एक लाख आबादी को इन दिनों बिजली की आवाजाही से जूझ रही है। स्थानीय लोगों को काफी दिक्कतों का सामना उठाना पड़ रहा है। दिन में कई बार विद्युत की कटौती की जाती है वही रात में अक्सर विद्युत की कटौती के बाद जिम्मेदार लोग कुंभकरण की नींद सोते हैं। जिसको लेकर नगर पंचायत की समाज सेवी मास्टर अल्ताफ हुसैन ने शुक्रवार को उप जिलाधिकारी को लिखित शिकायत की जिस पर उप जिला अधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया है। कि बहुत जल्द नगर पंचायत को सरकार द्वारा निर्धारित 18 घंटे तक सप्लाई आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है।पिछले कुछ दिनों से आलम यह है। कि जब आम नागरिक खाना पानी खाकर बिस्तर पर जैसे ही पहुंचता है। कि बिजली काट दी जा रही है। लोग बिलबिला कर अपनी छतों पर लैंप इमरजेंसी लाइट का सहारा ले रहे हैं विद्युत विभाग के लापरवाही का खामियाजा आने वाले चुनाव में क्षेत्रीय जनता ना दे इससे इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि सरकार भले ही नगरीय क्षेत्र में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति के वादे कर रही है वही विद्युत विभाग के मठाधीश सरकार के दावों को खोखला साबित करने पर तुले हुए हैं। नगर पंचायत के ग्रामीणों ने बताया की रात में बमुश्किल तीन-चार घंटे ही बिजली मिल पा रही है जब जिले में डेंगू चिकनगुनिया जैसे वायरल बुखार पैर पसार रहे हैं। ऐसे में विद्युत कटौती के बाद लोग अपनी छतों पर यह घर के बाहर सोने के लिए मजबूर हो रहे।

योग से जीवन को मिलता है नया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के अवसर पर जिले कार्यक्रम आयोजित

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के अवसर पर जनपद के राजकीय इंटर कॉलेज बाराबंकी के आडिटोरियम में आयोजित योग कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री कारागार सुरेश राही, जिला पंचायत अध्यक्षा राजरानी रावत, सदस्य विधान परिषद अंगद कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा अरविंद मौर्य, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार, जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार सहित अधिकारी, कर्मचारी, छात्र छात्राएं, शिक्षक व भारी संख्या में नागरिकगण ने उपस्थित होकर विभिन्न क्रियाओं पर योग किया।

योग में बह गई 50 लाख की फायर बोट

» सरयू में लापता हुई अग्निशमन नाव, बाद में मिली

» ड्यूटी छोड़ योग कराने भेजा गया कांस्टेबल

» काफी देर बाद नाव हुई सुरक्षित बरामद

» गायब स्थल पर ही गहरे पानी मे डूब गई थी नाव-एसपी ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।योग दिवस की 'शांति' में डूबा अग्निशमन विभाग, और सरयू में बह गई सरकारी सुरक्षा की बेशकीमती मिसाल। सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आई है कि कुंभ मेले के दौरान खरीदी गई करीब ?50 लाख की अग्निशमन नाव शनिवार सुबह सरयू नदी से लापता हो गई। हैरत की बात यह रही कि नाव पर केवल एक आरक्षी तैनात था, जिसे ड्यूटी से हटाकर एफएसएओ प्रदीप पांडे ने विश्व योग दिवस कार्यक्रम में लगा दिया।

ड्यूटी विहीन नाव पूरी तरह लावारिस हो गई और नदी में ही लापता हो गई। नाव में फायर कंट्रोल से जुड़े महत्वपूर्ण उपकरण मौजूद थे, जिससे यह घटना और अधिक गंभीर बन गई। हालांकि बाद में अग्निशमन विभाग ने नाव को बरामद कर लिया, लेकिन यह घटना सरकारी मशीनरी की लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना रवैये की पोल खोलती है।

योग की आड़ में सुरक्षा का मज़ाक, अब जांच से होगी सफाई या दबेगा मामला?

-योग कार्यक्रम के लिए हटाया गया नाव का इकलौता सुरक्षाकर्मी

-नाव में थे अत्याधुनिक अग्निशमन उपकरण

-बरामद हुई नाव, लेकिन विभाग की साख बह गई सरयू में

गायब स्थल पर ही गहरे पानी मे डूब गई थी नाव-एसपी ग्रामीण

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि

नाव नदी में खड़ी थी कल रात में बारिश हुई थी इस वजह से नाव में पानी भर गया।

जिसकी वजह से नाव वही जलमग्न हो गई। जिसे सुरक्षित निकाल लिया गया है।

रिक्रूट आरक्षियों को सीपी ने पढ़ाया अनुशासन व कर्तव्यनिष्ठा का पाठ

» आयुक्त मोहित अग्रवाल द्वारा आरक्षी भर्ती-2023 के अंतर्गत ट्रेनिंग कोर्स प्रशिक्षण हेतु पुलिस लाइन वाराणसी में आए प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। कमिश्नरेट में तैनात तेजतर्रार छवि के बेहद ईमानदार व न्यायप्रिय पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल द्वारा आरक्षी भर्ती-2023 के अंतर्गत जेटीसी ज्वॉइनिंग ट्रेनिंग कोर्स प्रशिक्षण हेतु पुलिस लाइन वाराणसी में आए प्रशिक्षुओं के साथ पुलिस लाइन्स में संवाद किया गया।

उन्होंने प्रशिक्षण की महत्ता को रेखांकित करते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता और सेवा भावना जैसे मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहाकि अब आपकी पहचान एक आम नागरिक के रूप में नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े पुलिस बल उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों के रूप में होगी,इसी क्रम में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि अब आप लोग पुलिस विभाग हिस्सा बन चुके है इसलिए आप लोग कोई भी ऐसा कार्य न करे जिससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल हो।

इसीलिए आप लोग सोशल मीडिया का उपयोग सावधानी पूर्वक करना होगा एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वर्दी पहनकर किसी भी प्रकार की पोस्ट नहीं करना है ना ही किसी प्रकार की कोई रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करना है।

साथ ही पुलिस आयुक्त द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक दक्षता,कानूनी ज्ञान,व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं सामुदायिक पुलिसिंग जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही

डीजीपी मुख्यालय में योग का प्रदर्शन

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पुलिस मुख्यालय परिसर में योग किया। इस दौरान कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। डीजीपी ने योग के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा-योग: कर्मसु कौशलम् यानी कर्मों में कुशलता ही योग है। हर दिन जिम्मेदारी और सतर्कता की ड्यूटी निभाने वाले हम पुलिसकर्मी, आज कुछ पल मन और तन की साधना में लगे।

योग से ही अनुशासित जीवन की राह संभव

» आईजी प्रवीण कुमार ने रिक्रूट आरक्षियों को बताया योग का महत्व

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अयोध्या पुलिस लाइन में योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने रिक्रूट आरक्षियों सहित उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को योग के प्रति जागरूक किया।

आईजी ने कहा कि योग न सिर्फ शरीर को रोगों से मुक्त करता है, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे व्यस्त दिनचर्या के बावजूद रोजाना कुछ समय योग के लिए जरूर निकालें।आईजी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और अनुशासित जीवन की नींव योग से ही रखी जा सकती है। कार्यशाला के अंत में सभी पुलिसकर्मियों ने योगाभ्यास कर इस संकल्प को दोहराया कि वे अपने जीवन में योग को अपनाएंगे।

सस्पेंड आईएएस अभिषेक प्रकाश की बढ़ी मुश्किलें

एसआईटी ने शासन से मांगी मंजूरी, कई बिंदुओं पर हो रही जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» बयान के लिए बुलाए जाने के बावजूद अभिषेक प्रकाश न तो एसआईटी और न ही विजिलेंस के सामने पेश हुए

» अगर शासन से कार्यवाही की मंजूरी मिलती है तो आईएएस पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक सकती है

लखनऊ। सोलर प्लांट में कमिशनखोरी के मामले में निलंबित हुए तत्कालीन सीईओ इन्वेस्ट यूपी आईएएस अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें और बढ़ सकती है। मामले की विवेचना के लिए गठित एसआईटी ने अभिषेक प्रकाश के खिलाफ आगे की कार्यवाही के लिए शासन से मंजूरी मांगी है।

निलंबित आईएएस एसआईटी व अन्य जांच एजेंसियों को जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। बयान के लिए बुलाए जाने के बावजूद अभिषेक प्रकाश न तो एसआईटी और न ही विजिलेंस के सामने पेश हुए। ईडी के अधिकारी भी उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वह मिल नहीं रहे हैं। वादी द्वारा दर्ज करवाए गए बयान में आईएएस अभिषेक प्रकाश का नाम सामने आया था। उसके बाद से ही एसआईटी उनसे संपर्क और उनकी तलाश में है। लेकिन वह एसआईटी के सामने पेश नहीं हुए। एसआईटी ने विवेचना में सामने आए तथ्यों, साक्ष्यों के आधार पर शासन से अभिषेक प्रकाश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत जांच शुरू करने, विवेचना में आगे की कार्यवाही के लिए शासन से मंजूरी मांगी है। एसआईटी ने इस संबंध में गृह विभाग को पत्र लिखा है। दरअसल किसी भी लोक सेवक के खिलाफअपराध की जांच के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेनी होती है।

निकांत जैन पर दो मामले दर्ज : मामले में गिरफ्तार आरोपित निकांत जैन जमानत मिलने के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाया है। उसके खिलाफ दो नए मामले दर्ज हुए हैं। जिस तरह से निकांत जैन के खिलाफ दो पुराने मामले में कार्रवाई हुई है, उससे साफ जाहिर है कि रिश्वतखोरी के मामले में शासन किसी को भी बख्शने के पक्ष में नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक जांच में सहयोग न करने के चलते आईएएस अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं। अगर शासन से कार्यवाही की मंजूरी मिलती है तो आईएएस पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक सकती है। निलंबित आईएएस विजिलेंस में उनके खिलाफ चल रही खुली जांच में भी सहयोग नहीं कर रहे हैं। वहां भी बुलाए जाने के बाद भी पेश नहीं हुए हैं।

प्रॉजेक्ट में कमिशन मांगने का आरोप : एसएईएल सोलर पी6 प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने प्रदेश में सौर ऊर्जा के कलपुर्जे बनाने का संयंत्र लगाने के लिए 7,000 करोड़ का डीपीआर दिया था। इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों पर इसे मंजूरी देने के लिए पांच प्रतिशत बतौर कमीशन मांगे जाने के आरोप लगे थे। मामला सीएम योगी के संज्ञान में आया तो उन्होंने गोपनीय जांच करवाई। आरोप सही पाए जाने पर 20 मार्च को इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित किया गया। कमिशन मांगने के आरोप में उसी दिन गोमती नगर पुलिस ने निकांत जैन को गिरफ्तार किया था। 19 मई को एसआईटी ने निकांत जैन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

3 करोड़ का घर, पेशेंट से इश्क फिर पति का फावड़े से कत्ल

» फिजियोथेरेपी सेंटर चलाने वाली पत्नी निकली 'कातिल', कार में लाश लेकर घूमती रही

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

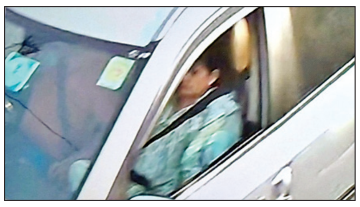

कोटद्वार। उत्तराखंड के कोटद्वार में एक रहस्यमयी हत्या का पर्दाफाश हुआ है, जो 5 जून को सड़क किनारे मिले एक अज्ञात शव की पहचान से शुरू हुआ था। शव की पहचान दिल्ली के वसंत कुंज निवासी रविंद्र कुमार के तौर पर हुई, और पुलिस की कड़ी मेहनत के बाद इस मामले की गुत्थी सुलझाई गई। जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे सबसे बड़ा चालाक किस्सा खुद मृतक की पत्नी रीना सिंधु और उसका प्रेमी परितोष का है। आइए जानें कैसे एक प्रेम संबंध ने हत्या का रूप ले लिया और आखिरकार पुलिस ने कैसे साजिश को बेनकाब किया।

हत्या की रहस्यमयी कहानी : रविंद्र कुमार की हत्या की साजिश उसकी पत्नी रीना और उसके प्रेमी परितोष ने मिलकर रची थी। मुरादाबाद के रामगंगा बिहार इलाके में रहने वाले रविंद्र और रीना के बीच पहले से तनाव था, खासकर रविंद्र के मकान को बेचने को लेकर। रीना, जो एक फिजियोथेरेपी सेंटर चलाती थी, इस दौरान उसकी मुलाकात परितोष से हुई, जो बिजनौर का रहने वाला था। दोनों के बीच प्रेम संबंध गहराए और फिर उन्होंने मिलकर अपने पति को रास्ते से हटाने का खौफनाक प्लान बनाया।

घटना का क्रूर सच : 31 मई को रीना ने रविंद्र को अपने प्रेमी के घर बिजनौर के नगीना इलाके में बुलाया। वहां दोनों ने शराब पिलाकर उसकी हत्या कर दी। परितोष ने फावड़े से वार कर रविंद्र की जान ले ली। इसके बाद शव को एक स्कूटी में डालकर उत्तराखंड के कोटद्वार के दुगड्डा इलाके के जंगल में सड़क किनारे फेंक दिया गया। हत्या के बाद आरोपी नोएडा पहुंच गए और वहां गाड़ी छोड़कर फरार हो गए।

मकान विवाद और प्रेम संबंध का खुलासा : पूछताछ में रीना ने बताया कि मुरादाबाद में पति का एक बड़ा मकान था, जिसे वह बेचने की हिमायत कर रहे थे, जबकि रीना इसके खिलाफ थी। इसी कारण दोनों में विवाद बढ़ गया था। इस बीच परितोष से प्रेम संबंध की शुरुआत हुई, जिसने हत्या की योजना को जन्म दिया। पुलिस को इस मामले में बड़ा सुराग मृतक के भाई राजेश कुमार ने दिया, जिन्होंने कोतवाली में शिकायत दर्ज करवाई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट हुआ कि रविंद्र की दो पसलियां टूट चुकी थीं, जो हत्या की पुष्टि करती हैं। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और फॉरेंसिक जांच से आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। रविंद्र के परिवार के लिए यह खबर सदमे से कम नहीं थी। 56 वर्षीय रविंद्र की दूसरी शादी रीना से 2011 में हुई थी, और उनके दो बच्चे भी थे।

ईरान में आया 5.1 तीव्रता का भूकंप

भूकंप या कुछ और

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान में 20 जून को 5.1 की तीव्रता वाला भूकंप आया अब इस भूकंप के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि कहीं ईरान ने चोरी-चुपके कोई परमाणु परीक्षण तो नहीं कर डाला है। यह भूकंप 20 जून को स्थानीय समयानुसार रात 9:19 बजे आया। साथ ही यूरोपियन-मेडिटेरियन सेस्मोलॉजिकल सेंटर की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार ईरान में आया यह भूकंप सेमनान से 35 किलोमीटर नीचे था।

भूकंप इतनी तेजा था कि इसके झटके उत्तरी ईरान के कई भागों में भी महसूस किया गए। हालांकि इसकी वजह से किसी के भी घायल होने या किसी बड़े विनाश की कोई पुष्टि अभी नहीं हुई है। भूकंप ऐसे समय में आया है जब ईरान-इजरायल के साथ संघर्ष बढ़ता जा रहा है। और इस जंग के कारण भूकंप क्षेत्र के करीब के इलाकों समेत कई क्षेत्रों में ईरान की मिलिट्री यूनिट्स को भी तैनात कर दिया गया है।

भूकंप की जानकारी आते ही एक्स पर परमाणु परीक्षण ट्रेंड करने लगा और यूजर्स अपनी-अपनी तरह के कयास भी लगाने लगे। पिछले दिनों इजरायली मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार इजरायल को इस बात की जानकारी मिली है कि ईरान के वैज्ञानिकों ने परमाणु हथियार की डिजाइन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा भी कर लिया है।

इजरायल ने तब कहा था कि अगर यह सच है तो फिर ईरान परमाणु बम बनाने से बस कुछ ही कदम ही दूर है। और इससे पहले ईरान ने शुक्रवार को साफकर दिया है। वह इजरायल की तरफसे जारी हमलों के दौरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर कोई भी बात भी नहीं करेगा।

दोनों देशों में शांति को भारत बने 'सेतु'

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र आयोग में भारत के खिलाफ लाए प्रस्ताव को रोकने में किया पूर्ण सहयोग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» ईरान लंबे समय से भारत का करीबी दोस्त रहा है और हमारे रिश्ते ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से गहरे भी जुड़े हुए हैं

» पिछले कुछ सालों में भारत और इसराइल के बीच भी मजबूत रणनीतिक रिश्ते भी बने हैं।

नई दिल्ली । कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अंग्रेज़ी अखबार 'द हिंदू' में ईरान-इसराइल संघर्ष का ज़िक्र करते हुए लेख लिखा है। इस लेख में सोनिया गांधी ने लिखा, ईरान लंबे समय से भारत का करीबी दोस्त रहा है और हमारे रिश्ते ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से गहरे भी जुड़े हुए हैं। साथ ही ईरान ने कई अहम मौकों पर भारत का समर्थन भी किया है। खासकर-जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर पूर्ण रूप से किया हैं।

इस पोस्ट में उन्होंने साल 1994 का ज़िक्र किया है, जब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को रोकने में पूर्ण मदद की थी। सोनिया गांधी ने अपने लेख में लिखा, वहीं, पिछले कुछ सालों में भारत और इसराइल के बीच भी मजबूत रणनीतिक रिश्ते भी बने हैं।

ये अनोखी स्थिति हमारे देश को तनाव कम करने और शांति बनाने के लिए एक सेतु के तौर पर काम करने की नैतिक जिम्मेदारी और कूटनीतिक क्षमता भी देती है। आगे उन्होंने अपने लेख में लिखा है कि ईरान पर इसराइल के हमलों को पश्चिमी देशों के समर्थन से बल भी मिला है। कांग्रेस ने 7 अक्तूबर 2023 को हमास की ओर से इसराइली नागरिकों पर किए गए हमलों की कड़ी आलोचना भी की थी।

उन्होंने लिखा, इस गंभीर मानवीय संकट के दौरान, नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत की उस पुरानी और साफ नीति से मुख्य दूरी बना ली है। जो हमेशा यह कहती रही है कि इसराइल और फलस्तीन को दो अलग-अलग आजाद देशों के रूप में, शांति और सम्मान के साथ ही एक-दूसरे के साथ रहना चाहिए।